जयशंकर प्रसाद

कविता का सार / प्रतिपाद्य

प्रस्तुत कविता को कवि ने उन लोगों को ध्यान में रखकर लिखा है, जो उसे अपनी आत्मकथा लिखने के लिए विवश करते हैं। उसने इसमें जीवन का यथार्थ उकेरा है। अपने अभावों को बहुत मार्मिक ढ़ंग से उतारा है। कवि कहता है कि वह एक सामान्य व्यक्ति है। अतः उसके जीवन में ऐसा कुछ भी विद्यमान नहीं है, जिससे लोगों को रस प्राप्त हो। उसके जीवन में सुख के पल बहुत कम हैं। उनसे अपने जीवन में दुख तथा धोखे प्राप्त किए हैं। इन्हें वह अपनी आत्मकथा में लिखने का समर्थक नहीं है।

कविता का भाव सौंदर्य

कविता का भाव यह है कि कवि अपनी आत्मकथा लिखने का समर्थक नहीं है। इसका कारण यह है कि उसके जीवन में सुख के पल क्षणिक हैं। उसका जीवन दुख तथा धोखों से भरा पड़ा है।

कविता की भाषा शैली की विशेषताएँ

- खड़ी बोली का उदाहरण
- अलंकारों का सुंदर प्रयोग
- तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग।
- छायावादी शैली का सुंदर उदाहरण

कविता का उद्देश्य

- खड़ी बोली के साहित्य तथा भाषा से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
- विद्यार्थियों की वैचारिक और विश्लेषण क्षमता का विकास कराना।
- छायावादी कविताओं तथा कवियों को समझने का अवसर देना।

कविता का संदेश

- यह पाठ हमें संदेश देता है कि दूसरों के जीवन में रस ढूँढना सही नहीं है। हमें चाहिए कि दूसरों के व्यक्तिगत जीवन में अनावश्यक हस्ताक्षेप नहीं करें। हमें यह अधिकार प्राप्त नहीं है।

ISC COACHING CENTRE